Roll No. : ..... Total Pages : 6

1602

Ist Year Arts Examination, 2018

RAJASTHANI SAHITYA

Paper–II

(आधुनिक राजस्थानी काव्य)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

(खण्ड-अ) [Marks : 20]

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(खण्ड-ब) [Marks : 50]

प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(खण्ड-स) [Marks : 30]

कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(इकाई–I)

(i) 'जन नायक प्रताप' काव्य किस छंद में रचा गया है ?

(ii) ''दुनिया थारे देशड़े दिन-दिन रो मिजमान।
रात दिवस उगियो रहे, यो भारत रो भाण।''
इस दोहे में 'भारत रो भाण' किसे कहा गया है ?

(इकाई–II)

(iii) 'जन नायक प्रताप' काव्य में आये मुस्लिम और वैश्य पात्र का नाम लिखिए।

(iv) 'कळायण' का शाब्दिक अर्थ क्या है ?

(इकाई–III)

(v) 'कळायण' किस कोटि का काव्य है ?

(vi) 'रुंख सतसई' के रचयिता कौन हैं ? यह किस कोटि का काव्य है ?

(इकाई–IV)

(vii) 'वीर सतसई' किसकी रचना है ?

(viii) 'पासाण सुंदरी' कविता के रचयिता कौन हैं ?

(इकाई–V)

(ix) आपके पाठ्यक्रम में से मनोहर शर्मा की किन्हीं दो कविताओं के नाम लिखो।

(x) 'चेत मानखां' किसकी रचना है ?

खण्ड-ब

(इकाई–I)

2. आज के समय में साम्प्रदायिकता और जातिवाद की भयावहता के लिए महाराणा प्रताप का चरित्र प्रेरणादायक व प्रासंगिक है। स्पष्ट कीजिए।

3. 'जननायक प्रताप' काव्य के भाव पक्ष पर प्रकाश डालिए।

(इकाई–II)

4. 'कळायण' काव्य में बीजळ-वेळ के रूप को अपने शब्दों में प्रकट कीजिए।

5. 'कळायण' काव्य में राजस्थान की ग्रामीण जनता की जीवन-कथा का रूप किस प्रकार चरित्रांकित हुआ है ? समझाइए।

(इकाई–III)

6. चंद्रसिंह की कविताओं में प्रकृति का रूप उजागर हुआ है। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

7. गणेसी लाल 'उस्ताद' के कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

8. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

क्यूँ छतरी कुळ में तूँ जायो
क्यूँ केसर घोड़ी ने ल्यायो
देवळ पर मौत सवार हुई
धिक्कार देख मैं हार गई।
तो जाणणी मन में लाज भरी
पैदा कर धरती भार मरी
रजपूती रमगी फेरां में
बाजण दे पायल डेरा में।

9. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

आयो गोगो पीर खीर ने खड़ी धिराणी
जोवै भेंस्यां बाट, भैंस जा बैठी पाणी
ग्वाळो मस्त फकीर बजावै बंसी प्यारी
भूल धिराणी गयी बात मतळब री सारी
बछड़ा कटड़ा फिर घिर चरै लीलो खावे रोज है
बेफिक्री मुरधरा बणायी, करी कळायण मौज है।

(इकाई–V)

10. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

इण आजादी वार दूँ, सुख-सुरगां रा वास
बहता पाणी वन पिया निज धर खादी घास
कुण इण पथ री आगती, कुण चाले इण राह
पूत जणें मां मरण जुद, नाम धरे अमराह।

11. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

शिर कटियो के नह कट्यो धड़ है के धड़ नाह,
मरिया के मरिया नहीं, ईश्वर जाणे याह।
आजादी हित जुद्ध में, हिन्दू मुस्लिम कूण,
गंगा जमुना ज्यूँ बह्या, राण खान रा खून।

खण्ड-स

(इकाई–I)

12. 'जन नायक प्रताप' काव्य का वीर काव्य की दृष्टि से मूल्यांकन कीजिए।

(इकाई–II)

13. रघुराज सिंह हाड़ा को राजस्थानी कविता की नयी धारा का कवि माना जाता है। उनकी कविताओं के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(इकाई–III)

14. प्रकृति काव्यों में 'कळायण' काव्य का मूल्यांकन कीजिए।

(इकाई–IV)

15. आधुनिक राजस्थानी नई कविता पर एक लेख लिखिए।